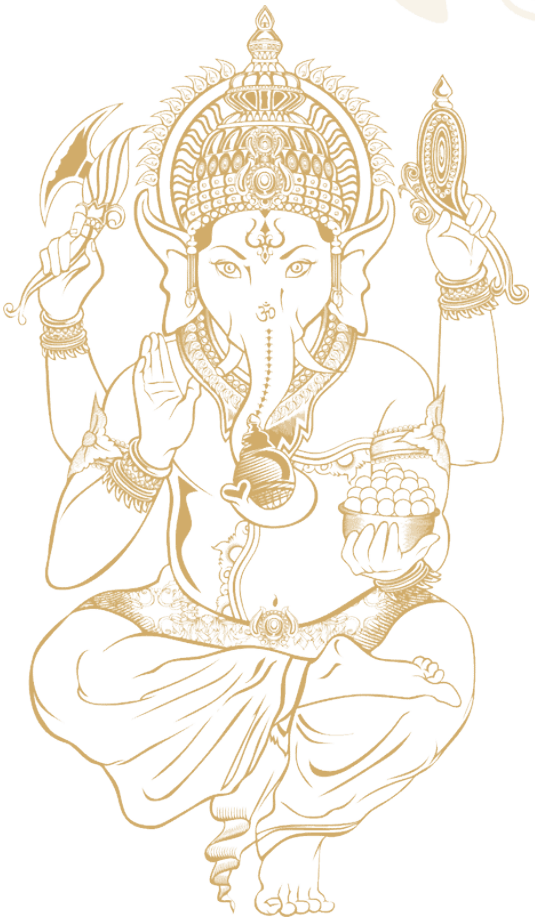

Harshal Vinod Peshne

21 Sep 1992

04:15 AM

Bhandara

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121237402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/09/1992**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	55:38:19 घटी
स्थान	**Bhandara**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:03:44 घंटे
वेलान्तर	00:06:35 घंटे
साम्पातिक काल	04:04:00 घंटे
सूर्योदय	05:59:40 घंटे
सूर्यास्त	18:09:17 घंटे
दिनमान	12:09:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:33:21 कन्या
लग्न के अंश	09:28:20 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:28:20	330:23:31	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	04:33:21	00:58:41	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			मिथु	18:51:35	13:57:50	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	11:11:16	00:32:29	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	कन्या	09:23:23	01:45:48	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु		अ	कन्या	02:08:25	00:12:59	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	01:12:34	01:13:27	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	18:41:11	00:02:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	02:15:06	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	02:15:06	00:00:48	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:23:39	00:00:06	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:32:31	00:00:13	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	27:14:33	00:01:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	09:23:45	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:39:06

लग्न-चलित

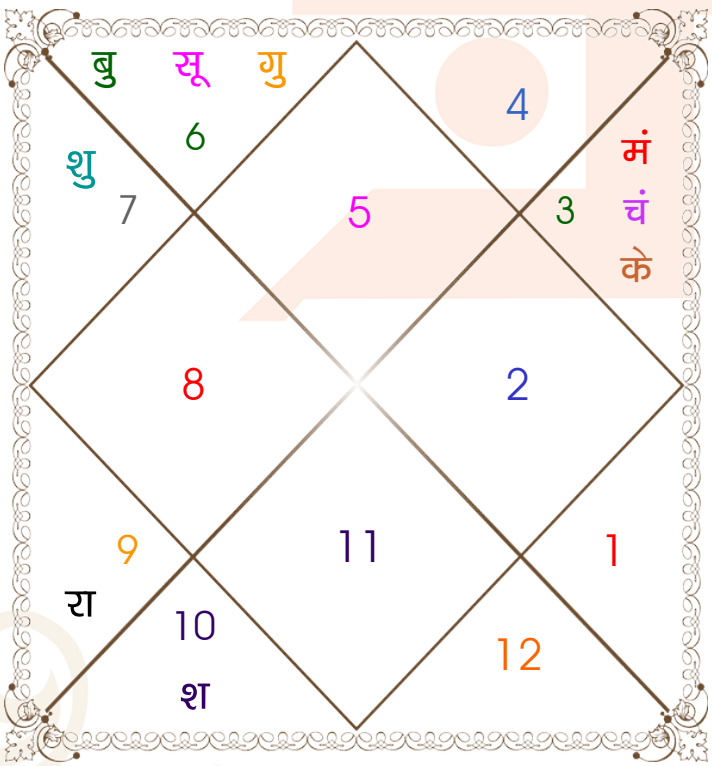

चन्द्र कुंडली

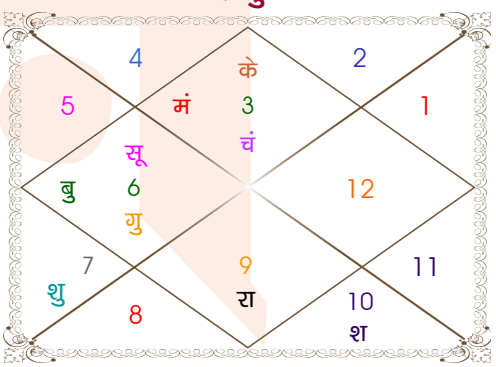

नवमांश कुंडली

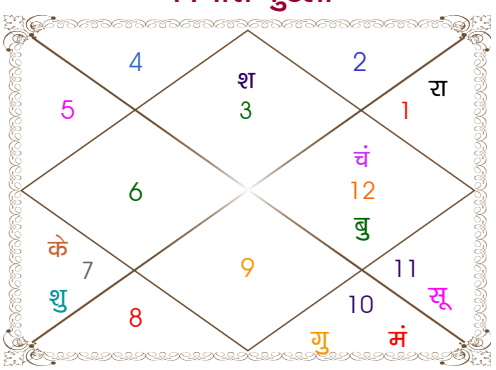

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 6 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/09/1992		06/04/1994		06/04/2010		06/04/2029		06/04/2046	
06/04/1994		06/04/2010		06/04/2029		06/04/2046		06/04/2053	
	00/00/0000	गुरु	24/05/1996	शनि	09/04/2013	बुध	02/09/2031	केतु	02/09/2046
	00/00/0000	शनि	05/12/1998	बुध	18/12/2015	केतु	30/08/2032	शुक्र	02/11/2047
	00/00/0000	बुध	12/03/2001	केतु	26/01/2017	शुक्र	30/06/2035	सूर्य	09/03/2048
	00/00/0000	केतु	16/02/2002	शुक्र	27/03/2020	सूर्य	06/05/2036	चंद्र	08/10/2048
	00/00/0000	शुक्र	17/10/2004	सूर्य	09/03/2021	चंद्र	05/10/2037	मंगल	06/03/2049
	00/00/0000	सूर्य	05/08/2005	चंद्र	09/10/2022	मंगल	02/10/2038	राहु	25/03/2050
	21/09/1992	चंद्र	05/12/2006	मंगल	17/11/2023	राहु	21/04/2041	गुरु	01/03/2051
चंद्र	18/03/1993	मंगल	11/11/2007	राहु	23/09/2026	गुरु	28/07/2043	शनि	08/04/2052
मंगल	06/04/1994	राहु	06/04/2010	गुरु	06/04/2029	शनि	06/04/2046	बुध	06/04/2053

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/04/2053		06/04/2073		06/04/2079		06/04/2089		05/04/2096	
06/04/2073		06/04/2079		06/04/2089		05/04/2096		00/00/0000	
शुक्र	05/08/2056	सूर्य	24/07/2073	चंद्र	05/02/2080	मंगल	02/09/2089	राहु	18/12/2098
सूर्य	05/08/2057	चंद्र	23/01/2074	मंगल	05/09/2080	राहु	20/09/2090	गुरु	13/05/2101
चंद्र	06/04/2059	मंगल	31/05/2074	राहु	06/03/2082	गुरु	27/08/2091	शनि	19/03/2104
मंगल	05/06/2060	राहु	24/04/2075	गुरु	06/07/2083	शनि	05/10/2092	बुध	07/10/2106
राहु	06/06/2063	गुरु	11/02/2076	शनि	04/02/2085	बुध	02/10/2093	केतु	25/10/2107
गुरु	04/02/2066	शनि	23/01/2077	बुध	06/07/2086	केतु	28/02/2094	शुक्र	25/10/2110
शनि	06/04/2069	बुध	29/11/2077	केतु	04/02/2087	शुक्र	01/05/2095	सूर्य	19/09/2111
बुध	05/02/2072	केतु	06/04/2078	शुक्र	05/10/2088	सूर्य	05/09/2095	चंद्र	22/09/2112
केतु	06/04/2073	शुक्र	06/04/2079	सूर्य	06/04/2089	चंद्र	05/04/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।